Training programme on "Application of Bio-pesticides and Bio-fertilizers for Productivity Enhancement of Forests" concluded at TFRI

Three days training programme on "Application of Biopesticides and Biofertilizers for Productivity of Forests" was held from 8-10 September, 2017 at Tropical Forest Research Institute, Jabalpur. The training was organized by the Skilled Development Cell of TFRI under the Skill Development programme of Govt. of India for making skilled India. Approximately 50 participants from Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Maharashtra took part in this training progarmme. They were village sarpanches, village secretaries, farmers, stakeholders and students.

The programme was inaugurated by Director, TFRI accompanied by Head of Office, Head of Divisions, Scientists/Officers and participants. Dr. Kulkarni Nodal Officer and Head (Extension Division) briefed about the training programme that included the lectures and practical demonstrations on production of microbial biofertilizers and their application in the field, organic farming, biopesticides for insect pest management and their application in the field and production and utilization of vermicompost etc. Dr. N. Roychoudhary, Director, TFRI welcomed the participants and assured for all possible support to make the training very useful for them. He highlighted the importance of biopesticides and biofertilizers in forestry as the use of synthetic pesticides and fertilizers release toxic chemicals in the environment and make it unhealthy.

During the valedictory session, the certificates were distributed to the participants by the Director, TFRI. The main attraction of the training was the practical demonstration of developed technology to the participants in the field which was appreciated by the trainees in the feedback. The trainees urged the Director TFRI for conducting these types of field oriented programmes regularly. They said that the practical demonstration of vermi-compost production and its utilization in the field for organic farming will provide them an opportunity for livelihood generation.

Dr. Nitin Kulkarni, Nodal Officer of Skilled Development Cell presented three days' training report. Dr. N. Roychoudhary, Director of the Institute informed the gathering that the TFRI is continuously working hard for the benefits of the stakeholders and assured them to deliver the technology developed by the Institute at regular intervals. During the event, senior scientists and officers of the Institute were present. Dr. S.N. Mishra, Scientist-B of Extension division conducted the programme successfully.

Source: PRO Cell

Glimpses of training programme

Source: PRO Cell

Media Coverage

सिटीजन.04

पत्रिका . जबलपुर . सोमवार . 11.09.2017 patrika.com

रोजगार का माध्यम बन सकती है केचुआ खाद

जैव उर्वरकों के प्रयोग विषय पर कार्यशाला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में सोमवार को वन की उत्पादकता वृद्धि में जैव कीटनाशकों एवं जैव उर्वरकों के प्रयोग विषय की कार्यशाला में मप्र, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से आए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया। इस मौके पर संचालक डॉ. एन. रॉय चौधरी ने कहा कि केचुआ खाद जितनी उपयोगी है, उतना उपयोग नहीं हो पा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त किसान केचुआ खाद को रोजगार का साधना बना सकते हैं। यह भी बताया गया कि जागरुकता की कमी से केचुआ खाद बनाने और इसे इस्तेमाल में लाना अभी चलन में ज्यादा नहीं आया है। कार्यशाला में डॉ. नितिन कुलकर्णी, डॉ. एसएस मिश्रा, डॉ. हरिओम सक्सेना मौजूद थे।

Source: PRO Cell

दैनिक भास्कर
महानगर
जबलपुर, सोमवार, 11 सितम्बर 2017 | 5

रासायनिक उर्वरकों से नुकसान

निज संवाददाता, जबलपुर| वनों की उत्पादकता वृद्धि के लिए जैव कीटनाशकों एवं जैव उर्वरकों के प्रयोग को लेकर ऊष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन रविवार को विशेषज्ञों ने रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया एवं जैव उर्वरकों से उत्पादकता बढ़ाने को लेकर प्रशिक्षणार्थियों को समझाइश दी। केंद्र सरकार के कौशल विकास योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में डॉ. नितिन कुलकर्णी प्रभागाध्यक्ष वन विस्तार प्रभाग एवं प्रभारी कौशल विकास प्रकोष्ठ के उ.व.अ.स. द्वारा निदेशक डॉ. एन रायचौधरी का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में मप्र, छग व महाराष्ट्र के ग्राम सरपंच सचिव किसान हितग्राही एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जैव कीटनाशकों एवं जैव उर्वरकों का उत्पादन एवं उपयोग की विधि, जैविक खेती केचुआ खाद का उत्पादन एवं उपयोग की विधि एवं रासायनिक खाद से तुलना आदि पर व्याख्यान एवं उपयोग की विधि का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संस्थान के सभी प्रभागाध्यक्ष वैज्ञानिकगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ. एसएन मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।पी-3

नईदुनिया 05
जबलपुर, शनिवार 09 सितंबर 2017

वनों की उत्पादकता बढ़ाने दी जानकारी

कार्यशाला में कृषि संबंधी जानकारी देते उपस्थित अधिकारी।

उष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान में कार्यशाला शुरू

जबलपुर। नईदुनिया न्यूज

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान नीमखेड़ा में शुक्रवार से 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। इसमें पहले दिन वनों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए जैव कीटनाशकों, जैव उर्वरकों के प्रयोग करने की जानकारी दी गई। भारत सरकार की कौशल विकास योजना के अंतर्गत इस कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। वैज्ञानिक व पीआरओ डॉ. हरिओम सक्सेना ने बताया कि रविवार को इस प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन होगा। शुभारंभ कार्यक्रम में डॉ. एन रायचौधरी निदेशक उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान का डॉ. नितिन कुलकर्णी प्रभागाध्यक्ष वन विस्तार प्रभाग व प्रभारी कौशल विकास प्रकोष्ठ ने स्वागत किया। चंद मिनट बाद संस्थान निदेशक, वरिष्ठ वैज्ञानिकों और प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद संस्थान निदेशक डॉ. रायचौधरी ने जैव कीटनाशकों, जैव उर्वरकों के महत्व और रासायनिक उर्वरकों, खाद से होने वाली क्षति, दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में प्रदेश सहित छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र प्रांत के ग्राम सरपंच, सचिव, किसान, हितग्राही व छात्र-छात्राएं शामिल रहीं। कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. एसएन मिश्रा ने किया।

कार्यशाला में जैव कीटनाशकों, उर्वरकों से संबंधित विषय उत्पादन, उपयोग की विधि, जैविक खेती, केचुआ खाद का उत्पादन और रासायनिक खाद से तुलना आदि पर व्याख्यान दिए जाएंगे। इसके साथ ही उपयोग विधि का प्रदर्शन किया जाएगा।

6 City Line
The Hitavada
JABALPUR ■ Saturday ■ September 9 ■ 2017

3-day training by TFRI's Skilled Devpt Cell begins

■ Staff Reporter

THREE-DAY training on 'Application of Bio-pesticides and Bio-fertilisers for Productivity of Forests' was inaugurated at Tropical Forest Research Institute (TFRI) on Friday. The three-day training programme will end on September 10. The training is being organised by Skilled Development Cell of TFRI under Skill Development programme of Government of India to make skilled India. At the outset, Dr Nitin Kulkarni, Head, Extension Division and In-charge, Skilled Development Cell welcomed Dr N Roy Choudhary, Director, TFRI, by presenting a bouquet.

The programme was initiated by lighting the lamp by Director, TFRI, Head of Divisions and participants. People from Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Maharashtra are taking part in this training programme. Participants include village Sarpanch, Secretary, farmers, stakeholders and students. Dr Kulkari briefed about training programme which will include lectures and practical demonstrations on microbial bio-fertilisers, organic farming, bio-pesticides for insect pest management, production of bio-fertilisers and bio-pesticides, production and utilisation of vermin-compost etc.

TFRI Director Dr N Roychoudhary, accompanied by Dr Nitin Kulkarni, addressing the inaugural session.

Dr N Roychoudhary, Director, TFRI, welcomed participants at the Institute and assured for all possible support to make the training very useful for them. He highlighted importance of bio-pesticides and bio-fertilisers in forestry and agriculture for producing healthy products as use of synthetic pesticides and fertilisers introduce toxic chemicals in products which make us unhealthy and are reason for various diseases.

During the event, Head of all divisions, scientists and officers of the Institute were present. Dr S N Mishra, Scientist-B of Extension Division conducted the programme successfully and proposed a vote of thanks.

Source: PRO Cell